अल्ज़ाइमरः दो से भला एक

जब अल्ज़ाइमर से सुरक्षा की बात होती है तो संभव है कि आपके पास एक अच्छी चीज़ ज़रूरत से कुछ ज़्यादा हो। यदि आपको, आपके माता या पिता से अनुवांशिक रूप से उत्परिवर्तित एक जीन की केवल एक ही प्रति मिली है तो यह अल्ज़ाइमर के विरुद्ध सुरक्षा कवच है। मगर यदि माता और पिता दोनों से उस जीन की एक-एक प्रति मिल जाए, तो आप समस्या में फंस सकते हैं।

हाल ही में इटली के कार्लो बेस्टा नेशनल न्यूरोलॉजिकल इंस्टीट्यूट के फैब्रिज़ियो तैग्लियाविनी और उनके सहकर्मियों ने एक 44 वर्षीय व्यक्ति में कम उम्र में उभरने वाले अल्ज़ाइमर के लक्षण देखे जबकि उसमें अल्ज़ाइमर के लिए पाया जाने वाला आम उत्परिवर्तित जीन था ही नहीं। इसकी बजाय उसके किसी अन्य जीन में उत्परिवर्तन देखा गया। उसमें और उसकी छोटी बहन दोनों में साधारण सी संज्ञान सम्बंधी समस्या देखी गई थी। दोनों मेंAPP नामक उत्परिवर्तित जीन की दो प्रतियां थीं। उनके अन्य रिश्तेदार, जिनमें एक 88-वर्षीय महिला भी शामिल है, इस बीमारी से महफूज़ पाए गए। इन सब रोग-मुक्त लोगों के जीन में उत्परिवर्तित APP की केवल एक ही प्रति थी। अर्थात एक प्रति सुरक्षा देती है, जबकि दो प्रतियां ज़ोखिम पैदा करती हैं।

दरअसल APP जीन ए-बीटा प्रोटीन बनाता है जो मस्तिष्क में थक्का बनकर तंत्रिकाओं में अवरोध पैदा कर सकता है। प्रयोग में पाया गया कि एक सामान्य और एक उत्परिवर्तित ए-बीटा प्रोटीन का थक्का बनने की संभावना बहुत ही कम है बजाय दो उत्परिवर्तित प्रोटीनों या दो सामान्य प्रोटीनों के। यही कारण हैं कि दो से भला एक। ***(स्रोत फीचर्स)***